पंजाब केसरी
FRI,07 JUNE 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में बांधे 150 परिंडे

बीकानेर, 6 जून (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

खेल स्टेडियम परिसर में कुलपति डॉ. अरुण कुमार के दिशा निर्देशन में नीम के 100 पौधों का रोपण किया गया। खेल स्टेडियम में पौधरोपण के साथ ही विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावास में 150 परिंडे बांधे गए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर स्थित आई.ए.बी.एम. सभागार में 'पर्यावरण संरक्षण का महत्व एवं जागरूकता' और 'पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि पर्यावरणविद् श्याम सुंदर ज्याणी और हनुमानगढ़ की मानव उत्थान समिति के अध्यक्ष व पर्यावरणविद् लादू सिंह भाटी थे।

छात्राओं को परिंडे देते कुलपति।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि गर्मियों में तापमान 50 डिग्री से ऊपर जा रहा है। लिहाजा पृथ्वी को बचाने के लिए बड़ी संख्या में पौधे लगाने की आवश्यकता है। इसमें सभी के योगदान की जरूरत है। पर्यावरणविद् श्री श्याम सुंदर ज्याणी ने कहा कि लोकल इकोलॉजी को ध्यान में रखते हुए पेड़ लगाएं और प्रत्येक व्यक्ति 10 मिनट प्रतिदिन पर्यावरण के लिए समर्पित करें। हनुमानगढ़ की मानव उत्थान समिति के अध्यक्ष व पर्यावरणविद् लादू सिंह भाटी ने तलवाड़ा झील और हनुमानगढ़ जंक्शन में सभी मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे ट्री गार्ड के साथ लगाए गए करीब 25 हजार पेड़ों को लेकर विस्तृत जानकारी सांझा की।

कार्यक्रम में वित्त नियंत्रकराजेन्द्र कुमार खत्री, अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत, भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ. दाताराम, प्रसार निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. दीपाली धवन, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय प्रो. नीना सरीन समेत अन्य शैक्षणिक स्टॉफ व बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

नीम के 100 पौधे लगाए, 150 परिंडे बांधे

सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 6 जून। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। खेल स्टेडियम परिसर में कुलपति डॉ अरुण कुमार के दिशा निर्देशन में नीम के 100 पौधों का रोपण किया गया। खेल स्टेडियम में पौधरोपण के साथ ही विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावास में 150 परिंडे बांधे गए और समन्वित कृषि प्रणाली इकाई परिसर में करंज के 8 पौधे भी लगाए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर स्थित आईएबीएम सभागार में पर्यावरण संरक्षण का महत्व एवं जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण में

युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि पर्यावरणविद् श्याम सुंदर ज्याणी और हनुमानगढ़ की मानव उत्थान समिति के अध्यक्ष व पर्यावरणविद् लादू सिंह भाटी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी. सिंह और छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह ने की। इससे पूर्व सुबह कार्यक्रमों की शुरूआत विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर विद्यार्थियों के द्वारा शरबत की छबील लगा कर की गई। व्याख्यान को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गर्मियों में तापमान 50 डिग्री से ऊपर जा रहा है। लिहाजा पृथ्वी को बचाने के लिए बड़ी संख्या में पौधे लगाने की आवश्यकता है। इसमें सभी के योगदान की जरूरत है। पर्यावरणविद् श्याम सुंदर ज्याणी ने कहा कि लोकल इकोलॉजी को ध्यान में रखते हुए पेड़ लगाएं और प्रत्येक व्यक्ति 10 मिनट प्रतिदिन पर्यावरण के लिए समर्पित करें। हनुमानगढ़ की मानव उत्थान समिति के अध्यक्ष व पर्यावरणविद् लादू सिंह भाटी ने तलवाड़ा झील और हनुमानगढ़ जंक्शन में सभी मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे ट्री गार्ड के साथ लगाए गए करीब 25 हजार पेड़ों को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर भाटी ने हनुमानगढ़ से लाए लकड़ी के घोंसलों को कुलपति, डीन और डायरेक्टर्स को भेंट किया। कार्यक्रम में आईसीएआर पुरस्कृत और आईएबीएम स्टूडेंट्स द्वारा निर्मित एक मिनट की फिल्म दिखाई गई। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर आईएबीएम परिसर में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अतिथियों का साफा पहनाकर और पौधा भेंटकर स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम में वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री, अनुसंधान निदेशक डॉ पी.एस. शेखावत, भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ दाताराम, प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ दीपाली धवन, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय प्रो.नीना सरीन, एआरएस के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एसआर यादव, मानव संसाधन निदेशालय निदेशक डॉ ए.के.शर्मा, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ निर्मल सिंह दहिया, कीट विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ हनुमान देशवाल, उपनिदेशक प्रसार डॉ. राजेश कुमार वर्मा, डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत, सह आचार्य डॉ वी.एस. आचार्य, सह आचार्य डॉ अशोक समेत अन्य शैक्षणिक स्टाफ व बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन आईएबीएम के पीएचडी स्कॉलर आनंद ने किया।

बालाजी ऑफसेट प्रिन्टर्स, सूरतगढ़ रोड, राजकीय चिकित्सालय के सामने, श्रीगंगानगर (राज.) से मुद्रित तथा वार्ड नं. 34, (डॉ. अम्बेडकर नगर), सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर से प्रकाशित व प्रसारित। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र सूरतगढ़ होगा)

एसकेआरएयू: नीम के 100 पौधे लगाए, 150 परिंडे बांधे

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 06 जून। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। खेल स्टेडियम परिसर में कुलपति डॉ अरुण कुमार के दिशा निर्देशन में नीम के 100 पौधों का रोपण किया गया। खेल स्टेडियम में पौधारोपण के साथ ही विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावास में 150 परिंडे बांधे गए और समन्वित कृषि प्रणाली इकाई परिसर में करंज के 8 पौधे भी लगाए गए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर स्थित आईएबीएम सभागार में 'पर्यावरण संरक्षण का महत्व एवं जागरूकताश्च और श्च्पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि पर्यावरणविद् श्याम सुंदर ज्याणी और हनुमानगढ़ की मानव उत्थान समिति के अध्यक्ष व पर्यावरणविद् लादू सिंह भाटी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी. सिंह और छात्र कल्याण निदेशक डॉ वीर सिंह ने की। इससे पूर्व सुबह कार्यक्रमों की शुरूआत विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर विद्यार्थियों के द्वारा शरबत की छबील लगा कर की गई।

व्याख्यान को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि गर्मियों में तापमान 50 डिग्री से ऊपर जा रहा है। लिहाजा पृथ्वी को बचाने के लिए बड़ी संख्या में पौधे लगाने की आवश्यकता है। इसमें सभी के योगदान की जरूरत है। पर्यावरणविद् श्याम सुंदर ज्याणी ने कहा कि लोकल इकोलॉजी को ध्यान में रखते हुए पेड़ लगाएं और प्रत्येक व्यक्ति 10 मिनट प्रतिदिन पर्यावरण के लिए समर्पित करें। हनुमानगढ़ की मानव उत्थान समिति के अध्यक्ष व पर्यावरणविद् लादू सिंह भाटी ने तलवाड़ा झील और हनुमानगढ़ जंक्शन में सभी मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे ट्री गार्ड के साथ लगाए गए करीब 25 हजार पेड़ों को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की।

इस अवसर पर भाटी ने हनुमानगढ़ से लाए लकड़ी के घोंसलों को कुलपति, डीन और डायरेक्टर्स को भेंट किया। कार्यक्रम में आईसीएआर पुरस्कृत और आईएबीएम स्टूडेंट्स द्वारा निर्मित एक मिनट की फिल्म दिखाई गई। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर आईएबीएम परिसर में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की वंदना से की गई। अतिथियों का साफा पहनाकर और पौधा भेंटकर स्वागत सत्कार किया गया।

कार्यक्रम में वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री, अनुसंधान निदेशक डॉ पी.एस.शेखावत, भू सदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक डॉ दाताराम, प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ दीपाली धवन, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय प्रो.नीना सरीन, एआरएस के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एसआर यादव, मानव संसाधन निदेशालय निदेशक डॉ ए.के. शर्मा, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ निर्मल सिंह दहिया, कीट विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ हनुमान देशवाल, उपनिदेशक प्रसार डॉ. राजेश कुमार वर्मा, डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत, सह आचार्य डॉ वी.एस.आचार्य, सह आचार्य डॉ अशोक समेत अन्य शैक्षणिक स्टॉफ व बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन आईएबीएम के पीएचडी स्कॉलर आनंद ने किया।

पर्यावरण को लेकर पोस्टर प्रतियोगिता ओर कार्यशाला आयोजित

मंडावा.@पत्रिका. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय मंडावा में विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर कार्यशाला ,पौधरोपण और पोस्टर प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निरंजन सिंह जानू थे । इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने निबंध और भाषण प्रतियोगिता के साथ पोस्टर व कोलाज ,फोल्डर बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कालेज अधिष्ठाता डॉ. सागरमल कुमावत ने बताया कि इस वर्ष पर्यावरण दिवस का मुख्य ध्येय "भूमि पुनर्स्थापना, बढ़ते रेगिस्तान को रोकना तथा सूखे की परिस्थितियों पर विवेक सम्मत दृष्टिकोण अपनाना रखा गया है"। मुख्य अतिथि निरंजन सिंह जानू ने पौधा लगाकर पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया । कार्यक्रम मे डॉ. आर. एस. राठौड़, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. आर. एस. मीणा ने भी विचार व्यक्त किए।

प्रकृति से मित्रता बढ़ाकर पर्यावरण संतुलन में योगदान देना आवश्यक

डावा। रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय मंडावा वृक्षारोपण ओर पोस्टर प्रतियोगिता के साथ विश्व र्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रंजन सिंह जानू पर्यावरणविद् थे। इस अवसर पर हाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पोस्टर व कोलाज तथा ल्डर व लिफलेट बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश हुए निबंध प्रतियोगिता और भाषण में छात्र-छात्राओं हिस्सा लिया। अधिष्ठाता डॉ. सागरमल कुमावत ने नकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष पर्यावरण दिवस 5 न 2024 का मुख्य ध्येय 'भूमि पुनर्स्थापना, बढ़ते स्तान को रोकना तथा सुखे की परिस्थितियों पर विवेक म्मत दृष्टिकोण अपनाना रखा गया है'। अर्थात धरती से हम मां के स्वरूप में मानते हैं इसको बचाना अति वश्यक है। हमें पौधारोपण और उसका रखरखाव रूरी होगा। विश्व स्तरीय जलवायु परिवर्तन एवं तापमान बढ़ोतरी और वर्षा का असमान वितरण आज के परिपेक्ष्य एक गंभीर चुनौती है। बदलती परिस्थितियों के अनुसार नुकूल तकनीको के विकास एवं उपयोग को बढ़ाना युवाओं की जिम्मेदारी है। मुख्य अतिथि निरंजन सिंह जानू पर्यावरणविद् द्वारा पौधा लगाकर पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि धरती बचेगी तभी मानव जीवन जीवित रह पाएगा। धरती बंजर हो जाएगी तो सब कुछ विनाश हो जाएगा। इस लिए हम सब का कर्तव्य बनता है कि हम सब लोग मिल कर इस पर्यावरण को बचाएं और इसकी सुरक्षा करें। पेड़, पानी, पर्यावरण परमात्मा स्वरुप है। अत- इनको परमात्मा का दर्जा देते हुए उनकी देखरेख करने पर ही भविष्य सुरक्षित रह पाएगा। विदित है जल है तो कल है। बिन पानी सब सुन अर्थात अपने को संरक्षण के उपाय को हमें अपनाना आज के महती आवश्यकता है। इसमें युवाओं का योगदान बहुत जरूरी है क्योंकि वो हमारे लिए कल का भविष्य है। कार्यक्रम में डॉ. आर. एस. राठौड़, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. आर. एस. मीणा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। महाविद्यालय की छात्रा पूजा महला व छात्र हिमांशु ने मंच संचालन किया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं व समस्त स्टाफ इस अवसर पर उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

निसं

मंडावा (नवयत्न)। रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय मंडावा में वृक्षारोपण और पोस्टर प्रतियोगिता के साथ पर्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निरंजन सिंह जानू पर्यावरणविद् थे। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पोस्टर व कोलाज तथा फोल्डर व लिफलेट बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए निबंध प्रतियोगिता और भाषण में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। अधिष्ठाता डॉ सागरमल कुमावत ने जानकारी देते हुए बताया कि पर्यावरण दिवस का मुख्य ध्येय भूमि पुनर्स्थापना, बढ़ते रेगिस्तान को रोकना तथा सुखे की परिस्थितियों पर विवेक सम्मत दृष्टिकोण अपनाना रखा गया है। अर्थात धरती जिसे हम मां के स्वरूप में मानते हैं इसको बचाना अति आवश्यक है हमें पौधारोपण और उसका रखरखाव जरूरी होगा। विश्व स्तरीय जलवायु परिवर्तन एवं तापमान में बढ़ोतरी और वर्षा का असमान वितरण आज के परिपेक्ष्य में एक गंभीर चुनौती है। बदलती परिस्थितियों के अनुसार अनुकूल तकनीकों के विकास एवं उपयोग को बढ़ाना युवाओं की जिम्मेदारी है। मुख्य अतिथि निरंजन सिंह जानू पर्यावरणविद् द्वारा पौधा लगाकर पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के पश्चात वृक्षारोपण का आयोजन हुआ।

प्रकृति से मित्रता बढ़ाकर पर्यावरण संतुलन में योगदान देना जरूरी

न्यूज सर्विस/नवज्योति, मंडावा। रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय मंडावा में वृक्षारोपण ओर पोस्टर प्रतियोगिता के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निरंजन सिंह जानू पर्यावरणविद् थे। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पोस्टर व कोलाज तथा फोल्डर व लिफलेट बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए निबंध प्रतियोगिता और भाषण में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। अधिष्ठाता डॉ. सागरमल कुमावत ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष पर्यावरण दिवस 5 जून 2024 का मुख्य ध्येय भूमि पुनर्स्थापना, बढ़ते रेगिस्तान को रोकना तथा सुखे की परिस्थितियों पर विवेक सम्मत दृष्टिकोण अपनाना रखा गया है। अर्थात धरती जिसे हम मां के स्वरूप में मानते हैं इसको बचाना अति आवश्यक है। हमें पौधारोपण और उसका रखरखाव जरूरी होगा। विश्व स्तरीय जलवायु परिवर्तन एवं तापमान में बढ़ोतरी और वर्षा का असमान वितरण आज के परिपेक्ष्य में एक गंभीर चुनौती है। बदलती परिस्थितियों के अनुसार अनुकूल तकनीको के

विकास एवं उपयोग को बढ़ाना युवाओं की जिम्मेदारी है। मुख्य अतिथि निरंजन सिंह जानू पर्यावरणविद् द्वारा पौधा लगाकर पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ. आर. एस. राठौड़, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. आर. एस. मीणा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।